न्यायालय जिला कलक्टर, पाली
पीठासीन अधिकारी : श्री दिनेश चन्द जैन, आई.ए.एस.

राजस्व विविध : 29/2017

प्रार्थी:– **बनाम** **अप्रार्थीगण :–**

श्री सीमेन्ट लिमिटेड, ब्यावर, जिला अजमेर (राज.) जरिये वरिष्ठ प्रबन्धक (विधि) एवं पॉवर अर्टोनी होल्डर श्री कमलकिशोर शर्मा

बनाम

1. कालू पुत्र मंगला के कायम मुकाम 1/1 भाणु पुत्र कालू जाति नायक
2. महेन्द्र पुत्र शंकर जाति नायक
3. दुर्गा पुत्र शंकर जाति नायक
4. अजीया पुत्र भीमा जाति नायक, निवासीगण–भींवगढ़, तहसील जैतारण जिला पाली
5. अरविन्द कुमार सिंगारिया पुत्र चांदमल जाति रेगर निवासी अम्बेडकर कालोनी, राजमहल होटल के पीछे, ब्यावर, जिला अजमेर (राज.) हाल मुकाम बांगड़ नगर, रास, तहसील जैतारण जिला पाली
6. जीवराज परिहार पुत्र शिवदान परिहार, जाति मेघवाल साकिन काणेचा हाल मुकाम बांगड़ नगर, रास तहसील जैतारण जिला पाली
7. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार जैतारण

न्यायालय जिला कलेक्टर पाली (राजस्थान)

<u>प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 89, राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956</u>

उपस्थिति :–

प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता श्री पवन रांकावत
अप्रार्थी संख्या 1 से 6 की ओर से अधिवक्ता श्री गजेन्द्र दवे

<u>निर्णय</u>

दिनांक :– 12/12/19

प्रार्थी के अधिवक्ता ने यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 89 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 के तहत अप्रार्थी के विरूद्ध प्रस्तुत किया। जिस पर प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को जरिये नोटिस तलब किया गया। तहसीलदार जैतारण से मौका रिपोर्ट प्राप्त की गई। अप्रार्थी ने प्रार्थना पत्र के तथ्यों को स्वीकार करते हुए प्रकरण को जरिये राजीनामा निस्तारण हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। उभयपक्ष के अभिभाषकगण की बहस सुनी गई।

जिला कलेक्टर, पाली

विद्वान अभिभाषक प्रार्थी ने अपनी बहस में कथन किया कि प्रार्थी को खान एवं भू विज्ञान विभाग, सोजत ने लीज प्रदान की है, जिसके लीज संख्या स.ख.अ./सोजत/प्रधान/एम.एल. 9/93 क्षैत्रफल 750 हैक्टेयर है। खनि अभियन्ता, सोजत सिटी के पत्रांक स.ख.अ./खनिज/प्रधान/एम.एल./9/1993/2071 दिनांक 24.02.2015 के द्वारा उक्त लीज की अवधि को दिनांक 13.11.2046 तक बढ़ाया गया है, जो वर्तमान में कार्यशील है। लीजडीड के अनुसार प्रार्थी को ग्राम निम्बेटी रास II तहसील जैतारण एवं तहसील रायपुर के अन्य गांवों में भी अवस्थित भूमि, जिनके खसरा नम्बर पृथक पृथक है, के खातेदारान से अवाप्त कर कम्पनी खनन कार्य करने हेतु प्रक्रियाधीन है। ग्राम भींवगढ़ के खसरा नम्बर 2152 रकबा 20 बीघा किस्म बारानी दोयम में अप्रार्थी संख्या 1 से 6 की खातेदारी भूमि है, जो प्रार्थी ईकाई को खनन एवं भू विज्ञान विभाग द्वारा स्वीकृत लीज क्षेत्र से 400 मीटर दूर स्थित है तथा सेफ्टी जोन में स्थित है, जिसमें प्रार्थी ईकाई द्वारा अपने लीज क्षेत्र में समनुषंगी कार्य (subsidiary purposes) के उपयोगार्थ राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 89 (2) में वर्णित कार्य हेतु आवश्यकता जाहिर की है एवं यह कथन किया कि इसके अभाव में प्रार्थी ईकाई अपने उद्योग को नहीं चला पायेगी तथा उत्पादन पर विपरित प्रभाव पडेगा। इस कारण उक्त आराजी का उपयोग एवं आधिपत्य प्रार्थी ईकाई को प्रदान कराना आवश्यक है। अप्रार्थीगण की उक्त भूमि का मुआवजा अदा करने हेतु प्रार्थी ईकाई तत्पर है तथा इसके लिए अप्रार्थीगण सहमत होने बाबत एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर प्रकरण जरिये सहमति के निस्तारण करने बाबत प्रस्तुत किया जो पत्रावली संलग्न है। अतः उपरोक्त भूमि का मुआवजा निर्धारित करावे एवं भूमि प्रार्थी ईकाई को समनुषंगी कार्य (subsidiary purposes) के उपयोगार्थ उपलब्ध करवावे।

विद्वान अभिभाषक अप्रार्थी संख्या 1 से 6 ने प्रकरण में अप्रार्थी की ओर से प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को स्वीकार करते हुए प्रकरण के निस्तारण हेतु सहमति प्रकट की हैं।

बहस पर मनन किया गया तथा पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात का अवलोकन किया। हस्तगत प्रकरण में प्रार्थी का कथन है कि प्रार्थी को माईनिंग लीज प्राप्त है। तहसीलदार जैतारण द्वारा प्रेषित मौका जांच रिपोर्ट के अनुसार उक्त भूमि प्रार्थी ईकाई की माईनिंग लीज भूमि से 400 मीटर सेफ्टी जोन क्षेत्र में ग्राम भींवगढ़ के खसरा नम्बर 2152 रकबा 20 बीघा किस्म बारानी दोयम भूमि अप्रार्थी संख्या 1 से 6 की खातेदारी भूमि स्थित है, जो लीज क्षेत्र के सेफ्टी जोन से घिरी हुई है, जिसकी तहसीलदार जैतारण से प्राप्त रिपोर्ट अनुसार डी.एल.सी. दर 42030/– रूपये प्रति बीघा होती है एवं प्रश्नगत भूमि नगरपालिका क्षेत्र से 43 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। तहसीलदार जैतारण की मौका जांच रिपोर्ट में उक्त आराजियात पर स्थित पेड पौधो की संख्या एवं कीमत अंकित है। खनन एवं समनुषंगी कार्यों हेतु प्रार्थी को उक्त भूमि की आवश्यकता है। राजस्थान भू राजस्व अधिनियम की धारा 89 (4) के अनुसार खनिज सम्पदा के दोहन से यदि किसी व्यक्ति के अधिकारो का उल्लंघन होता है, तो उस व्यक्ति को सुना जाकर राज्य सरकार या उसका

जिला कलेक्टर, पाली

अभिहस्तांकिती ऐसे व्यक्तियों को इस प्रकार के उल्लंघन के लिये प्रतिकर देगा एवं ऐसे प्रतिकर की धनराशि का निर्धारण भूमि अवाप्ति अधिनियम के प्रावधानो के अनुसार इस न्यायालय द्वारा राजस्थान भू अवाप्ति अधिनियम 2013 के प्रवधानों के अनुसार किया जाना है। राजस्व (ग्रुप 6) विभाग अधिसूचना क्रमांक पं.1 (3) राज–6/2011/पार्ट/14 दिनांक 16.10.14 के अनुसार, प्राइवेट कम्पनी द्वारा भूमि अर्जन करने की स्थिति में पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थान के प्रावधान लागू करने के लिए अवाप्ति भू क्षेत्र की सीमा ग्रामीण क्षेत्र में 1000 हेक्टर तथा शहरी क्षेत्र में 200 हैक्टेयर है। प्रार्थी कम्पनी का अवाप्ति क्षेत्र उक्त सीमा से कम होने से उक्त प्रावधान लागू नही होते है। भूमि अवाप्ति के सम्बंध मे नया भूमि अवाप्ति पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन मे उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 दिनांक 1 जनवरी 2014 से लागू होकर, उनके प्रावधानों के अनुसार ही भूमि अवाप्ति की प्रक्रिया एवं भूस्वामियों को दिये जाने वाले मुआवजे का निर्धारण किया जाना है। चूंकि राज्य सरकार की ओर से भूमि अवाप्ति के सम्बन्ध मे अलग से कोई भूमि अवाप्ति अधिनियम लागू नहीं किया गया है, अतः प्रकरण नए एक्ट के प्रावधानों के अनुसार ही मुआवजे का निर्धारण किया जाना है। नये भूमि अवाप्ति पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के प्रावधानो के अनुसार अनुसूचि प्रथम में भूमि धारको को प्रतिकर के बारे में उल्लेख किया गया है, जिसके क्रम संख्या 1 से 6 के अन्तर्गत कुल प्रतिकर की गणना किस प्रकार की जायेगी, का क्रमवार उल्लेख किया गया है एवं उक्त अनुसूची की क्रम संख्या 2 के अनुसार दिये जाने वाले प्रतिकर के कारको 1 से 2, जो कि प्रस्तावित प्रोजेक्ट की दूरी पर आधारित होगा, जैसा कि संबंधित राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जावे, क्रम संख्या 4 में भूमि से जुडी हुई सम्पत्तियो के निर्धारण एंव क्रम संख्या 5 में तोषण का निर्धारण किस प्रकार किया जायेगा, का उल्लेख किया गया है।

न्यायालय जिला कलेक्टर पाली (राजस्थान)

तहसीलदार से प्राप्त मौका रिपोर्ट से स्पष्ट है कि प्रश्नगत भूमि की दूरी निकटतम नगरपालिका क्षेत्र से 43 कि.मी. है एंव उपरोक्त उल्लेखित अधिसूचना क्रमांक प01(3)राज. 6/2011/पार्ट/26 दिनांक 14.06.2016 में उल्लेखित भूमि का गुणक, जिससे बाजार मूल्य गुणित किया जावेगा, वह 2.00 है तथा गुणित किये गये उक्त बाजार मूल्य में एक्ट की अनुसूची के प्रावधानो के अनुसार पेड़ पौधो व संपति की कीमत को जोडा जाना है एवं धारा 30(1) के अनुसार ऐसी राशि की शत प्रतिशत तोषण की राशि होगी। प्रार्थी को राज्य सरकार के खनन विभाग द्वारा विधिक प्रावधानों के अन्तर्गत खनन कार्य हेतु पट्टा दिनांक 13.11.2046 तक की अवधि के लिये प्रदान किया गया है, जिसके सहायक कार्य हेतु प्रश्नगत भूमि चाही जाने से इस भूमि के खातेदार के सरफेस राईट का उल्लंघन होगा। जिसके लिये अप्रार्थी को प्रतिकर राशि का भुगतान किया जाना आवश्यक है। जिसके लिए अप्रार्थी संख्या 1 से 6 रजामंद है। अतः प्रतिकर का निर्धारण निम्नानुसार सारणी के अनुरूप किया जाता है –

जिला कलेक्टर, पाली

	खातेदार का नाम जिसका विवरण जमाबंदी में अंकित है।	खसरा नम्बर	रकबा	किस्म	डी.एल.सी.दर	राशि (कॉलम संख्या 3 X 5)	नगर पालिका से दूरी किमी में व उसके अनुसार गुणक		कुल राशि (कॉलम संख्या 6 X 8) रू.
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
A	1. कालू पुत्र मंगला के कायम मुकाम 1/1 भाणु पुत्र कालू जाति नायक 2. महेन्द्र पुत्र शंकर जाति नायक 3. दुर्गा पुत्र शंकर जाति नायक 4. अजीया पुत्र भीमा जाति नायक, निवासीगण—भींवगढ़, तहसील जैतारण जिला पाली 5. अरविन्द कुमार सिंगारिया पुत्र चांदमल जाति रेगर निवासी अम्बेडकर कालोनी, राजमहल होटल के पीछे, ब्यावर, जिला अजमेर (राज.) हाल मुकाम बांगड़ नगर, रास, तहसील जैतारण जिला पाली 6. जीवराज परिहार पुत्र शिवदान परिहार, जाति मेघवाल साकिन काणेचा हाल मुकाम बांगड़ नगर, रास तहसील जैतारण जिला पाली	2152	20 बीघा	बारानी दोयम	42030	840600	43	2.00	1681200
B	योग								1681200
C	प्रभावित भूमि पर अवस्थित पेड़ो की मालियत								150000
D	अन्य संरचना (धोरा एवं तारबन्दी वगैरा)								70000
E	योग (कॉलम संख्या B + C +D)								1901200
F	तोषण 100 प्रतिशत (कॉलम E के समान राशि)								1901200
G	कुल देय प्रतिकर राशि (E + F)								3802400

न्यायालय जिला कलेक्टर पाली (राजस्थान)

जिला कलेक्टर, पाली

अतः प्रार्थी कम्पनी उपरोक्त मुआवजा राशि के पुर्णांक राशि रूपये 38,02,400/– (अक्षरे अड़तीस लाख दो हजार चार सौ रूपये) अप्रार्थी के नाम का चैक बनाकर तहसीलदार जैतारण को एक माह की अवधि मे उपलब्ध करावे। तहसीलदार जैतारण उक्त आराजी के संबंध में राजस्व अभिलेख में दर्ज खातेदार एवं वर्तमान कब्जे के सम्बंध में सन्तुष्टि के उपरान्त सम्बन्धित खातेदारों के हिस्से अनुसार राशि का भुगतान कर प्रमाणित करेंगे तथा अपील अवधि गुजरने के पश्चात राजस्व रेकर्ड में भूमि बिलानाम (सिवायचक) माईनिंग लीज अंकित की जावें। प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजी का उपयोग प्रार्थी इकाई को लीज अवधि तक प्रचलित नियमों, निर्देशो, लीज डीड व विभागीय परिपत्रों के तहत एवं राजस्थान भू राजस्व अधिनियम की धारा 89(2) में वर्णित माईनिंग के संबधित समनुंषगी कार्यो (Subsidiary Purposes) के लिए ही करने का अधिकार होगा। भविष्य में राज्य सरकार अथवा किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा राशि भुगतान में संशोधन किया जाता है तो प्रार्थी द्वारा अन्तर राशि की अदायगी नियमानुसार की जाएगी। निर्णय की प्रति तहसीलदार जैतारण/प्रार्थी कम्पनी को आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजी जावे।

निर्णय आज दिनांक 12/12/19 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर बाद हस्ताक्षर कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(दिनेश चन्द जैन)
जिला कलेक्टर पाली
जिला कलेक्टर पाली

न्यायालय जिला कलेक्टर पाली (राजस्थान)